व्यक्तित्व

व्यक्तित्व शब्द का प्रयोग बोल-चाल की भाषा में शारीरिक डील-डौल, स्वास्थ्य, सौंदर्य, रूप लावण्य जो दिखाई पड़ने वाले तत्वों के बारे में किया जाता है।

व्यक्तित्व शब्द को व्यक्ति के चरित्र या नैतिकता के पर्यायवाची शब्द के रूप में भी प्रयोग करते हैं। चूंकि चरित्र सभी प्रकार से केवल नैतिकता और आचार विचार संहिता से अपना अपना संबंध रखता है।

व्यक्तित्व का अर्थ एवं परिभाषाएँ :-

मनोवैज्ञानिक भाषा में व्यक्ति अपने आप में जो कुछ भी है वही उसका व्यक्तित्व है। अपने प्रति और दूसरों के प्रति किए जाने वाले व्यवहार का यह एक समग्र चित्र है।

Allport - 1937 → "Personality is a dynamic organization with in the individual of those Psychological systems that determine his unique adjustment to his environment."

Eg H.J. Eysenck → "Personality is the more or less stable and enduring organisation of a Person's Character temperament intellect and Physique, which determine his unique adjustment

to the envirenment.",

R.B.Cattel → Personality is that which Permits a prediction of what a person will do in a given situation ....'

Scanned with CamScanner

Theories Adopting Type Approach :-

समूह या वर्गों में वर्गीकृत करने वाले सिद्धान्त

1. Hippocrates classification -
हिप्पोक्रेटस द्वारा किया हुआ वर्गीकरण :-

इसने व्यक्तियों (व्यक्तित्वों) के स्वभाव के आधार पर उन्हें निम्न चार विशिष्ट समूह या वर्गों में बाँटने का प्रयास किया है :-

1. कफ प्रकृति वाले (Choleric)
2. काले पित्त वाले (Melancholic)
3. पीले पित्त वाले (Phlegmatic)
4. अधिक रुधिर वाले (Sanguinic)

Choleric →
(1) → चुस्त परंतु चिड़चिड़ा स्वभाव संवेगात्मक रूप से कमजोर परंतु ~~शारीरिक~~ शारीरिक रूप से शक्तिशाली। क्रोध की मात्रा अधिक, कर्मठ, असहिष्णु, शीघ्रगामी और आशावादी।

(2) Melancholic → निराशावादी, शक्तिहीन, और दुःखी। संवेगात्मक और शारीरिक रूप से कमजोर।

3. Phlegmatic :- आनंदयुक्त एवं सुस्त।

संवेगात्मक रूप से सशक्त परन्तु शारीरिक रूप से कमजोर।

4. Sanguinic → शारीरिक रूप से सबल और संवेगात्मक रूप से स्थिर एवं संतुलित।

(2) Kretschmer's classification → क्रेशमर → क्रेशमर ने शारीरिक बनावट के दृष्टिकोण से मनुष्य मात्र को कुछ जैविक समूह या वर्गों में बाँटा गया है।

व्यक्तित्व के प्रकार	व्यक्तित्व संबंधि विशेषताएँ
1. पिकनिक प्रकार अर्थात मिलन-सार, व्यक्ति (Pyknic Type), छोटा कद, मोटा शरीर, और चर्बी वाला।	1. सामाजिक, विनोद प्रिय, बहिर्मुखी, आरामतलब और लोकप्रिय।
2. एथलेटिक प्रकार अर्थात खिलाड़ी प्रकृति वाले, (Athletic Type) सशक्त अस्थि पेशियाँ, बलवान, मांसपेशी चौड़ा सीना तथा संतुलित शरीर।	2. सुखी, दृढ़ निश्चयी, फुर्ती एवं ~~फुर्तीलापन~~ फुर्तीलापन। आशावादी एवं समायोजित।

Scanned with CamScanner

3. (Leptosomatic Type) → निर्बल शरीर वाले, लंबे और दुबले-पतले, सीना छोटा, पेट पीठ से लगा हुआ।

3. शर्मीले और एकांतप्रिय, निराशावादी, सामाजिक रूप से असमायोजित।

(3) Sheldon's classification →

व्यक्तित्व के प्रकार Personality Types	शारीरिक बनावट और ढाँचा या - Somatic or Body Structure	व्यक्तित्व संबंधित विशेषताएँ Personality Characteristics
1. Endomorphic	शक्तिहीन मोटे, तथा कोमल शरीर वाले	आराम तलब, सामाजिक और स्नेहशील।
2. Mesomorphic	शारीरिक रूप से सुसंतुलित, अच्छा स्वास्थ्य, और फुर्तीला बदन।	साहसी, निडर, फुर्तीले, आक्रामक तथा कर्मठ।
3. Ectomorphic	कमजोर एवं शक्तिहीन, लंबे, दुबले-पतले, शरीर तथा अविकसित सीने वाले।	निराशावादी, असामाजिक, एकांतप्रिय और चिड़चिड़ा स्वभाव।

Scanned with CamScanner

Hippocrates, Kretschmer's, और Sheldon आदि मनोवैज्ञानिकों ने शारीरिक बनावट और व्यक्तित्व संबन्धि विशेषताओं में निश्चित रूप से जो संबन्ध स्थापित करने का प्रयत्न किया गया है।

4. Jung's classification → युंग ने सभी व्यक्तियों को अपने सामाजिक कार्यों में भाग लेने अथवा रुचि प्रदर्शित करने के दृष्टिकोण से अंतर्मुखी (Introvert) और बाहिर्मुखी (Extrovert) → दो निश्चित वर्गों में वर्गीकृत करने का प्रयत्न किया है। युंग ने इस प्रक्रिया में thinking (चिंतन) Feeling (भावना), sensation (संवेदना) (इनट्यूशन) Intuition (अन्तर्दृष्टि) नामक मनोवैज्ञानिक क्रियाओं को अपने अन्तर्मुखी और बाहिर्मुखी वर्गों के साथ जोड़ने की कोशिश की है। लेकिन दूसरे मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि बहुत लोगों में दोनों ही प्रकार के गुण पाए जाते हैं। ऐसे व्यक्तित्व वाले लोगों को दूसरे मनोवैज्ञानिक ने Ambivert Type, (उभयमुखी) कहा जाता है

5. Fried-man's and Rosen-man's classification

→ मेयर फ्रेडमैन तथा रोजन मैन द्वारा प्रतिपादित यह का वर्गीकरण द्वारा यह प्रतिपादित व्यक्तियों को अनेक व्यक्तित्व संबंधी गुणों के आधार पर दो प्रकारों या वर्गों A तथा B में विभक्त कराता है। यह लालीन का प्रयत्न करता है। कि कौन से प्रकार (A type or B type) के व्यक्तियों में हृदय रोग से पीड़ित होने की संभावना अधिक रहती है। हृदय रोग से पीड़ित होने की। हृदय रोग से सम्बन्धित पीड़ित होने की संभावना अधिक रहती है हृदय रोग में अधिक प्रचलित तौर पर सामान्य बात यही है कि धमनियों तथा शिराओं (Arteries and veins) में जो कि रक्त वाहिनी नाड़ियाँ (Blood carrying nerves) होती है। रक्त के थक्के (Blots) बन जाते है। इसके कारण रक्त का बहाव रुक जाता है। इन नाड़ियों में रक्त के थक्के जमने के कारण रक्त में कोलेस्ट्रोल की मात्रा की अधिकता माना जाता रहा है। यह इस प्रकार से बताया जा सकता है— जैसे किसी पानी को निकाली के लिए नली में धीरे-धीरे इस प्रकार के पदार्थ जमा हो जाते हैं जो उस नली को घेरते रहे) तथा पानी निकलने के लिए रास्ते को बंद करते रहे। कोलेस्ट्रोल रक्त को गाढ़ा कर उसमें थक्के बनाकर रक्त के आने-जाने में आने-जाने में रुकावट करता है

अतः हृदय को रक्त की उचित मात्रा मिलनी बंद हो जाती है तो उसका काम करना बंद होजाना स्वाभाविक है। Medical Science में होने वाले अनुसंधानों हृदय से रक्त न मिलने तथा उनका काम न करने को सके लक्षण 1955 में तलाश किया। उन्होंने यह कारण तनाव और दबाव (strains and stresses) बताया। मेयर फ्रेडमैन तथा रोजनमैन ने अपने अध्ययनों के द्वारा इन चिकित्साशास्त्रियों को काफी मदद की। क्योंकि